

Experiential Learning Trip @ SBPS

Tell me and I forget
Teach me and I
remember. Involve me
and I LEARN

- Benjamin Franklin

To help the students learn beyond the textbooks and also to impart practical knowledge, an experiential learning trip to Ranchi Aquarium and Birsa Munda Biological Park, Ormanjhi, Ranchi was organized for the students of Sarala Birla Public School, Ranchi. Children got exposure to the amazing world of animals, birds and marine life. Students of Std. III saw a variety of animals like the tiger, hippopotamus, elephant etc. and they were fascinated by the beauty of nature. It was an enriching learning experience for the students. Students of Std. IV got an opportunity to see a variety of fishes at the Ranchi aquarium. Species of fishes like Koi fish, Exotic Goldfish, Oscar fish, Piranha and Alligator Garfish were major attractions of the trip. The children penned down the information gathered and will be preparing a project on the same. The students danced in excitement to the thumping music beats and played various games near the fountain pool of the aquarium. It was a fun-filled day for them.

School Head Personnel and Admin Dr. Pradip Varma appreciated the efforts of the school for providing such an exposure to enhance their knowledge.

Principal Mrs. Paramjit Kaur encouraged the children to participate in such trips and added that such experiential trips provide a new perspective of learning through experience that ignite the imagination and curiosity level of the students.

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में अनुभवात्मक शिक्षण यात्रा

सरला बिरला पब्लिक स्कूल द्वारा कक्षा-3 और 4 के बच्चों के लिए कक्षा शिक्षण से परे अनुभवात्मक शिक्षण यात्रा आयोजित की गयी, जहां उन्हें ओरमांझी राँची के राँची एक्वेरियम और बिरसा मुंडा जैविक उद्यान का अनुभवात्मक भ्रमण कराया गया। वहां उन्होंने समुद्री जीवन और वन्य जीवन को बहुत नजदीक से देखा, समझा और जाना। कक्षा-3 के छात्र तरह-तरह के अद्भुत जानवरों और पक्षियों को देख अभिभूत हो उठे। उन्होंने शेर, बाघ, हाथी, दरियाई घोड़ा, मोर, शुतुरमुर्ग जैसे राजसी जानवरों और पक्षियों

का उत्साहपूर्वक अवलोकन किया। कक्षा-4 के बच्चों को विभिन्न प्रकार की मछलियों और उनकी प्रजातियों को देखने का अवसर मिला। सबसे घातक मछलियों में शामिल पिरान्हा और मगरमच्छ गारफिश प्रमुख आकर्षण थे। बच्चों ने प्रायोगिक यात्रा के दौरान एकत्रित जानकारी को कलमबद्ध किया जो बाद में इस विषय से संबंधित प्रोजेक्ट तैयार करने में उनकी मदद करेगी। साथ ही साथ बच्चों ने थम्पिंग म्यूजिक की धुन पर नृत्य किया तथा विभिन्न खेलों का भी भरपूर आनंद लिया।

विद्यालय के कार्मिक एवं प्रशासनिक प्रमुख डॉ॰ प्रदीप वर्मा ने कहा कि इस तरह के शैक्षणिक यात्राओं के माध्यम से बच्चे कक्षा शिक्षण से परे प्रकृति और प्राकृतिक जीवन के नजदीक आते हैं।

प्राचार्या श्रीमती परमजीत कौर ने कहा कि इस प्रकार की अनुभवात्मक यात्राएँ अनुभव के माध्यम से सीखने का एक नया दृष्टिकोण प्रदान करती हैं जो बच्चों की कल्पना और जिज्ञासा के स्तर को जगाती है।



